मराठा सैन्य परिदृश्य

प्रिलिम्स के लिये:

[यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल](), [पश्चिमी घाट](), [भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण](), [छत्रपति शिवाजी महाराज]()

मेन्स के लिये:

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों का महत्त्व, मराठों और शिवाजी का इतिहास।

[स्रोत: पी.आई.बी.]()

चर्चा में क्यों?

भारत वर्ष 2024-25 के दौरान संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) की विश्व विरासत मान्यता हेतु **"मराठा सैन्य परिदृश्य"** को नामांकित करने के लिये तैयार है।

- इस नामांकन में 12 घटक शामिल हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में मराठा शासन की रणनीतिक सैन्य शक्ति को प्रदर्शित करते हैं।

मराठा सैन्य परिदृश्य क्या हैं?

- 'मराठा सैन्य परिदृश्य' 12 किलों और दुर्गों का एक नेटवर्क है जो 17वीं-19वीं शताब्दी में मराठा शासकों की **असाधारण सैन्य प्रणाली एवं रणनीति** का प्रतिनिधित्व करता है।
  - इस नामांकन के बारह घटक भाग हैं- **महाराष्ट्र में सालहेर किला, शिवनेरी किला, लोहागढ़, खंडेरी किला, रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला किला, विजय दुर्ग, सिंधुदुर्ग** और **तमिलनाडु में जिंजी किला**।
- भारत के मराठा सैन्य परिदृश्यों को **वर्ष 2021** में विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है।
  - मराठा सैन्य परिदृश्य महाराष्ट्र से विश्व विरासत सूची में शामिल करने के लिये **नामांकित छठी सांस्कृतिक धरोहर** है।
  - किलों का यह असाधारण तंत्र/नेटवर्क, पदानुक्रम, पैमाने और प्रतीकात्मक वर्गीकरण की विशेषताओं में भिन्नता लिये हुए भारतीय प्रायद्वीप में पश्चिमी घाट **(सह्याद्री पर्वत) शृंखलाओं, कोंकण तट, दक्कन के पठार** तथा पूर्वी घाटों के लिये विशिष्ट परिदृश्य, क्षेत्र एवं भौगोलिक विशेषताओं को एकीकृत करने का परिणाम है।
- महाराष्ट्र में 390 से अधिक किले हैं जिनमें से केवल 12 किले भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य के तहत चयनित हुए हैं, इनमें से 8 किले भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित हैं।
  - ये हैं शिवनेरी किला, लोहागढ़, रायगढ़, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला किला, विजयदुर्ग, सिंधुदुर्ग और जिंजी किला।
  - सालहेर किला, राजगढ़, खंडेरी किला और प्रतापगढ़ **पुरातत्त्व एवं संग्रहालय निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार द्वारा संरक्षित** हैं।
- भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य में सालहेर किला, शिवनेरी किला, लोहागढ़, रायगढ़, राजगढ़ और जिंजी किला **पहाड़ी किले** हैं, प्रतापगढ़ एक **पहाड़ी-वन्य किला** है, पन्हाला एक **पहाड़ी-पठार किला** है, विजयदुर्ग **तटीय किला** है जबकि खंडेरी किला, सुवर्णदुर्ग और सिंधुदुर्ग **द्वीपीय किले** हैं।
  - मराठा सैन्य विचारधारा 17वीं शताब्दी में 1670 ई. में छत्रपति शिवाजी महाराज के शासन के तहत उत्पन्न हुई और यह बाद के नियमों के अनुसार 1818 ई. तक चले पेशवा शासन तक जारी रही।

Lohagard fort

Raigad Fort

//

नोट:

- वर्तमान में भारत में **42 विश्व धरोहर स्थल** हैं, जिनमें से **34 सांस्कृतिक स्थल**, **7 प्राकृतिक स्थल** और **1 मिश्रित स्थल** हैं।
  - महाराष्ट्र में **6 विश्व धरोहर स्थल** हैं, **5 सांस्कृतिक और एक प्राकृतिक स्थल** हैं।
    - ये हैं, **अजंता गुफाएँ (वर्ष 1983)**, **एलोरा गुफाएँ (वर्ष 1983)**, **एलिफेंटा गुफाएँ (वर्ष 1987)**, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (पूर्व में विक्टोरिया टर्मिनस) (वर्ष 2004), मुंबई की **विक्टोरियन स्थापत्य शैली (गोथिक) तथा मुंबई के आर्ट डेको एन्सेम्बल्स (वर्ष 2018)** और महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु एवं केरल के **पश्चिमी घाट** प्राकृतिक श्रेणी (वर्ष 2012) में क्रमिक संपदाएँ हैं।

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल

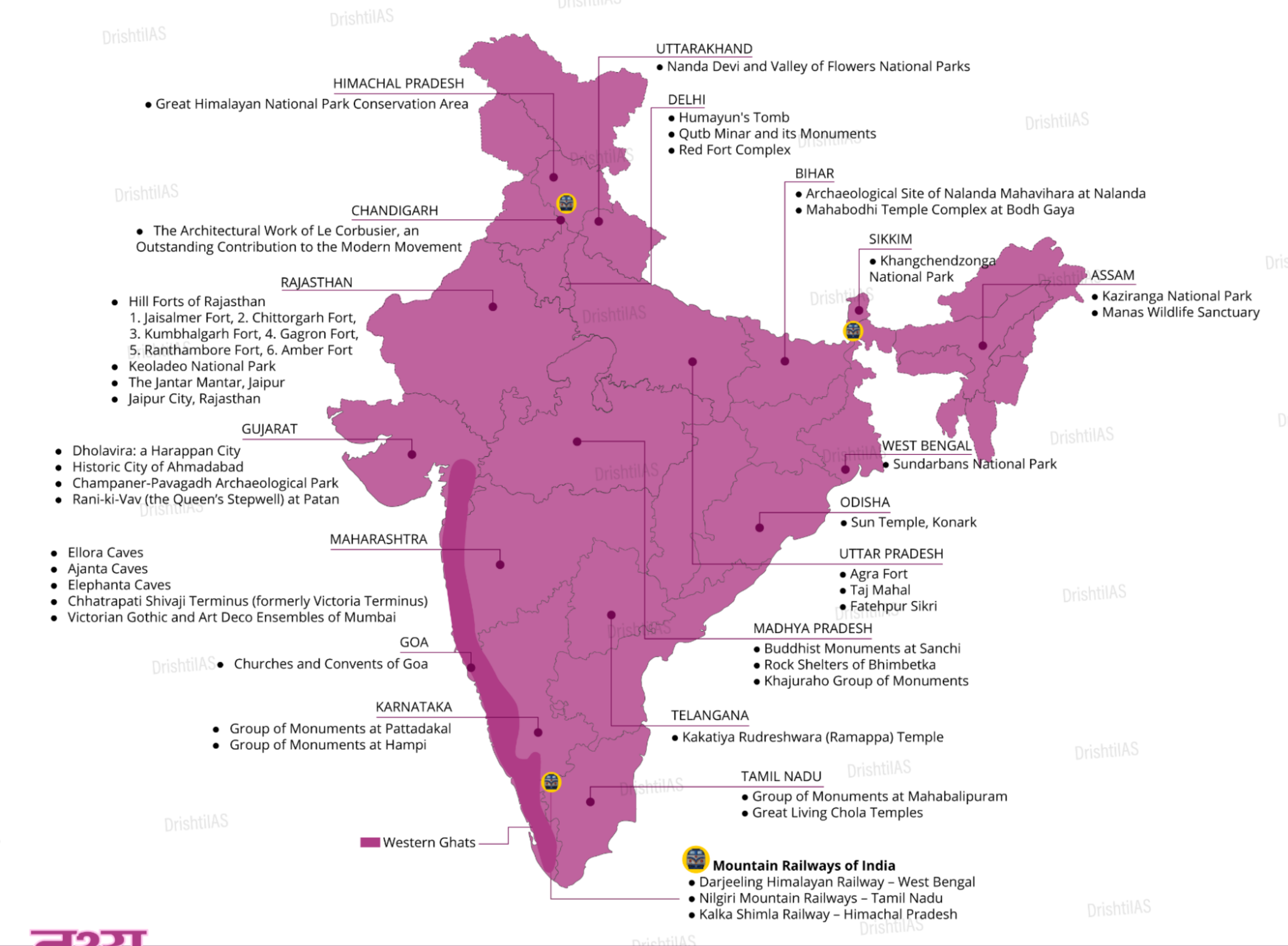

तथ्य

- **भारत में विश्व धरोहर/विरासत स्थलों की कुल संख्या –** 40
- **कुल सांस्कृतिक धरोहर स्थल –** 32
- **कुल प्राकृतिक स्थल –** 7 (काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, मानस वन्यजीव अभयारण्य, पश्चिमी घाट, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, नंदा देवी तथा फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान, ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क संरक्षण क्षेत्र, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान)
- **मिश्रित स्थल –** 1 (कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान)
- **सूची में सबसे पहले शामिल किये गए धरोहर स्थल –** ताजमहल, आगरा का किला, अजंता गुफाएँ तथा ऐलोरा गुफाएँ (सभी वर्ष 1983 में)
- **सूची में हाल ही शामिल किये गए स्थल (2021) –** हड़प्पाकालीन स्थल धौलावीरा (40वाँ स्थल), काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर (39वाँ स्थल)
- **सर्वाधिक विश्व धरोहरों वाले देश –** इटली (58), चीन (56), जर्मनी (51), फ्राँस (49), स्पेन (49)
- **विश्व धरोहर स्थलों की संख्या के मामले में भारत छठवें स्थान पर है।**

Drishti IAS

यूनेस्को विश्व धरोहर सूची नामांकन की प्रक्रिया क्या है?

- विश्व धरोहर सूची उन स्थलों की सूची है जिनका **मानवता और प्रकृति के लिये उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य** है, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) द्वारा निर्धारित किया गया है।
- **वर्ष 2004 से पूर्व**, विश्व धरोहर स्थलों का चयन **छह सांस्कृतिक और चार प्राकृतिक मानदंडों के आधार पर** किया जाता था।
    - **वर्ष 2005 में,** यूनेस्को ने इन मानदंडों को संशोधित किया और अब **दस मानदंडों का एक सेट** है। इसके आधार पर नामांकित साइटें "उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य" की होनी चाहिये और **दस मानदंडों में से कम-से-कम एक को पूरा करना चाहिये।**

चयन मानदंड

i. मानव रचनात्मक प्रतिभा की उत्कृष्ट कृति का प्रतिनिधित्व के लिये;
ii. वास्तुकला या प्रौद्योगिकी, स्मारकीय कला, नगर-नियोजन या परिदृश्य डिजाइन में विकास पर, समय के साथ या विश्व के एक सांस्कृतिक क्षेत्र के भीतर मानवीय मूल्यों का महत्त्वपूर्ण आदान-प्रदान प्रदर्शित करने के लिये;
iii. किसी अथवा लुप्त हो चुकी सांस्कृतिक परंपरा या सभ्यता का अद्वितीय या असाधारण साक्ष्य प्रस्तुत करता हो;
iv. एक प्रकार की इमारत, वास्तुशिल्प या तकनीकी स्थापत्य कला का विशिष्ट समूह या परिदृश्य का एक उत्कृष्ट उदाहरण जो मानव इतिहास के महत्त्वपूर्ण चरणों को दर्शाता हो;
v. पारंपरिक मानव बस्ती, भूमि-उपयोग, या समुद्री-उपयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण हो जो किसी संस्कृति (या संस्कृतियों) या पर्यावरण के साथ मानव संपर्क का प्रतिनिधि है, विशेष रूप से तब जब यह स्थिर परिवर्तन के प्रभाव के तहत सुभेद्य हो गया हो;
vi. घटनाओं या जीवित परंपराओं, विचारों, या विश्वासों, सार्वभौमिक महत्त्व की उत्कृष्ट कलात्मक और साहित्यिक रचनाओं के साथ प्रत्यक्ष या मूर्त रूप से संबंधित हो। (समिति का मानना है कि इस मानदंड का उपयोग अधिमानतः अन्य मानदंडों के साथ किया जाना चाहिये):
vii. उत्कृष्ट प्राकृतिक घटनाओं या असाधारण प्राकृतिक सुंदरता और सौंदर्यात्मक महत्त्व के क्षेत्रों को शामिल करता हो;
viii. पृथ्वी के इतिहास के प्रमुख चरणों का प्रतिनिधित्व करने वाले उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता हो, जिसमें जीवन संबंधी अभिलेख, भू-आकृतियों के विकास में चल रही महत्त्वपूर्ण भू-वैज्ञानिक प्रक्रियाएँ, या महत्त्वपूर्ण भू-आकृति या भौतिक विशेषताएँ शामिल हों:
ix. स्थलीय, ताजे पानी, तटीय और समुद्री पारिस्थितिकि तंत्र और पौधों और जानवरों के समुदायों के विकास और विकास में महत्वपूर्ण चल रही पारिस्थितिकि और जैविक प्रक्रियाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले उत्कृष्ट उदाहरण;
x. स्थलीय, ताजे ज़ल, तटीय और समुद्री पारिस्थितिकि तंत्र व पौधों तथा जानवरों के समुदायों की वृद्धि एवं विकास के लिये महत्त्वपूर्ण जारी पारिस्थितिकि और जैविक प्रक्रियाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले उत्कृष्ट उदाहरण:
xi. जैविक विविधिता के स्वस्थाने/इन-सीटू संरक्षण के लिये सबसे महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक आवासों को शामिल करता हो, जिसमें विज्ञान या संरक्षण के दृष्टकोण से उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य की खतरे वाली प्रजातियाँ भी शामिल हैं।

Operational Guidelines (year)	Cultural criteria						Natural criteria			
2002	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
2005	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(viii)	(ix)	(vii)	(x)

- सांस्कृतिक और प्राकृतिक मानदंड इस **नामांकन की दो श्रेणियाँ हैं।** मराठा सैन्य परिदृश्य को सांस्कृतिक मानदंड की श्रेणी में नामांकित किया गया है।
    - विश्व विरासत सूची में सम्मिलित करने के लिये **सांस्कृतिक स्थलों हेतु छह मानदंड (i से vi) तथा प्राकृतिक स्थलों के लिये चार मानदंड (vii से x)** हैं।
- **भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य को मानदंड (iii), मानदंड (iv) और मानदंड (vi) के तहत नामांकित किया गया है।**
- कोई देश किसी संपत्ति को विश्व धरोहर सूची में तब तक नामांकित नहीं कर सकता जब तक क**संबद्ध संपत्ति न्यूनतम एक वर्ष तक उसकी अस्थायी सूची में सम्मिलित** न हो।
    - एक **अस्थायी सूची (Tentative List) संभावित विश्व धरोहर स्थलों की** एक **सूची है** जिसे कोई देश UNESCO को नामांकन हेतु सौंपता है। किसी संपत्ति को अस्थायी सूची में सम्मिलित करने के उपरान्त ही संबद्ध देश उसे विश्व विरासत सूची के लिये नामांकित कर सकता है। तत्पश्चात विश्व धरोहर समिति द्वारा दिये गए नामांकन की समीक्षा की जाती है।
- विश्व धरोहर स्थलों की सूची को **UNESCO विश्व धरोहर समिति** द्वारा निर्देशित अंतरराष्ट्रीय **'विश्व धरोहर कार्यक्रम' (World Heritage Programme)** द्वारा तैयार किया जाता है।

और पढ़ें...छत्रपति शिवाजी महाराज

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. अहमद शाह अब्दाली के भारत पर आक्रमण करने और पानीपत की तीसरी लड़ाई लड़ने का तात्कालकि कारण क्या था? (2010)

(a) वह लाहौर से अपने वाइसराय तैमूर शाह के मराठों द्वारा नष्किासन का बदला लेना चाहता था।
(b) जालंधर के नराशि गवर्नर अदीना बेग खान ने उन्हें पंजाब पर आक्रमण करने के लयि आमंत्रति कयिा।
(c) वह चाहर महल (गुजरात, औरंगाबाद, सयािलकोट और पसूर) के राजस्व का भुगतान न करने पर मुगल प्रशासन को दंडति करना चाहता था।
(d) वह दलि्ली की सीमा तक पंजाब के सभी उपजाऊ मैदानों को अपने राज्य में मलिाना चाहता था।

उत्तर: (a)

?????:

प्रश्न. भारतीय कला वरिासत की रक्षा करना, इस समय की आवश्यकता है। टप्पिणी कीजयि। (2018)

प्रश्न. भारतीय दर्शन एवं परंपरा ने भारतीय स्मारकों की कल्पना और आकार देने एवं उनकी कला में महत्त्वपूर्ण भूमका नभाई है। ववचिना कीजयि। (2020)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/maratha-military-landscapes